पाठ 11. चीख निकली भयानक (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में प्रभावी संप्रेषण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने में समर्थ हो सकें। अशोक चक्रधर द्वारा रचित यह व्यंग्य कविता महँगाई की मार पर प्रहार करती हुई कई अन्य बुराइयों के प्रति सचेत भी कर जाती है।

अध्यापन संकेत

यह कविता मौखिक पठन के लिए है। पठन के बाद बच्चों से महँगाई के बारे में बातचीत करें। उन्हें 'जेते पाँव पसारिए, तेते चादर होय' वाली कहावत सुनाएँ और इसे महँगाई के संदर्भ में बताते हुए उन्हें प्रेरित करें कि किस प्रकार अपनी कुछ ज़रूरतों में कटौती करके पारिवारिक खर्चों को काबू में किया जा सकता है। आजकल बाज़ारों में छीना-झपटी की घटनाएँ भी बढ़ रही हैं। ऐसी घटनाओं के प्रति बच्चों को आगाह करें और उन्हें सजग रहने संबंधी आवश्यकताओं के बारे में बताएँ।